सीखने के प्रतिफल

कक्षा पाँच — हिंदी

बच्चे –

- देखी/सुनी/पढ़ी रचनाओं/घटनाओं (हास्य, साहसिक, सामाजिक आदि विषयों पर आधारित कहानी आदि) की विषय-वस्तु, घटनाओं, शीर्षक आदि के बारे में बातचीत करते हैं, अपनी स्वतंत्र टिप्पणी देते हैं, अपनी बात के लिए तर्क देते हैं और निष्कर्ष निकालते हैं।
- भाषा की बारीकियों पर ध्यान देते हुए अपनी भाषा गढ़ते हैं और उसका प्रयोग (मौखिक/लिखित) करते हैं।
- विविध प्रकार की सामग्री (अखबार, बाल साहित्य, पोस्टर आदि) में आए संवेदनशील बिंदुओं पर (मौखिक/लिखित) अभिव्यक्ति करते हैं।
- अपरिचित शब्दों के अर्थ शब्दकोश से खोजते हैं।
- स्वेच्छा से या शिक्षक द्वारा तय गतिविधि के अंतर्गत लेखन की प्रक्रिया की बेहतर समझ के साथ अपने लेखन को जाँचते हैं और उसमें बदलाव करते हैं, जैसे – किसी घटना की जानकारी देते हुए लिखना, स्कूल की भित्ति पत्रिका के लिए लिखना आदि।
- भाषा की व्याकरणिक इकाइयों, जैसे – कारक-चिह्न, क्रिया, काल, विलोम आदि की पहचान करते हैं और उनके प्रति सचेत रहते हुए लिखते हैं।
- लिखते हुए अपने लेखन में विराम-चिह्नों, जैसे – पूर्ण विराम, अल्प विराम, प्रश्नवाचक चिह्न, उद्धरण चिह्न का सचेत इस्तेमाल करते हैं।
- स्तरानुसार अन्य विषयों, व्यवसायों, कलाओं आदि (जैसे – गणित, विज्ञान, नृत्यकला, आदि) में प्रयुक्त होने वाली शब्दावली को समझते हैं और संदर्भ एवं स्थिति के अनुसार उनका लेखन में इस्तेमाल करते हैं।
- अपनी कल्पना से कहानी, कविता, पत्र आदि लिखते हैं।